उत्तरपत्रिका

विभाग 1 – गद्य: 20 अंक

प्र.1. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। [8]

(1) संजाल पूर्ण कीजिए। (2)

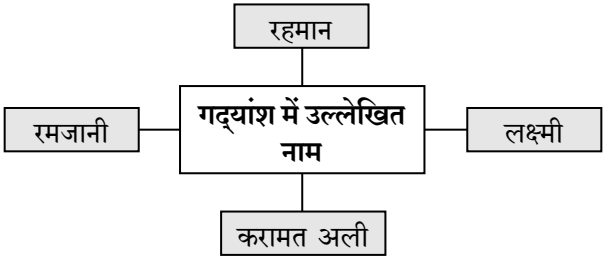

(2) प्रतिक्रियाएँ लिखिए। (2)

(i) लोगों द्वारा लक्ष्मी को खरीदने की बात सुनने पर करामत अली की –

उत्तर: लोगों द्वारा लक्ष्मी को खरीदने की बात सुनने पर करामत अली की इच्छा विरुद्ध जा रहा है और वह खामोश हो गया ।

(ii) करामत अली द्वारा लक्ष्मी को सूखा चारा देने पर लक्ष्मी की –

उत्तर: करामत अली द्वारा लक्ष्मी को सूखा चारा देने पर लक्ष्मी करामत अली की तरफ़ निराशापूर्ण आँखों से देखने लगी ।

(3) निम्नलिखित शब्द के दो अलग–अलग अर्थ लिखकर उनका अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए।

	शब्द	अर्थ	वाक्य
(i)	चारा	उपाय	मेरे पास इसके सिवाय कोई चारा नहीं था ।
(ii)	चारा	पशुओं का खाद्य घास	राम बाज़ार से गाय के लिए चारा ले आया ।

(4) 'जानवर भी संवेदनशील होते हैं' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। (2)

उत्तर: जानवर भी सजीव है, हमें उनकें प्रति संवेदनशील होना चाहिए । तभी हमारे बच्चे भी संवेदनशील होंगे । बेजुबान जानवरों, पशु–पक्षियों को तकलीफ़ में देखकर वे उनकी सहायता करेंगे । गरमी के दिनों में आंगन में पानी रखेंगे, उनके लिए अनाज के दाने डालेंगे । जिससे पशु–पक्षी उनका आनंद ले सकेंगे । अगर हम इन जानवरों का ध्यान रखेंगे तो वे

भी हमें ढेर सारा प्यार देते हैं, अपनापन दिखाते हैं और हमारी मदद करते हैं । जानवरों जैसा ईमानदार इस संसार में और कोई नहीं है । इसीलिए हमें निरंतर इनकी देखभाल प्यार से निरंतर करनी चाहिए ।

(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए । [8]

(1) कारण लिखिए । (2)

(i) आश्रम में भक्ति तथा सेवा का वातावरण रहेगा.....

उत्तर: आश्रम में भक्ति तथा सेवा का वातावरण रहेगा क्योंकि आश्रम में सभी धर्म मान्य होंगे । वह किसी एक धर्म से चिपका नहीं होगा ।

(ii) संस्था चलाने का भार आने वाली बहनें उठा सकेंगी.....

उत्तर: संस्था चलाने का भार आने वाली बहनें उठा सकेंगी जिससे वे कुशल होंगी ।

(2) उत्तर लिखिए । (2)

परेशान महिलाओं को आश्रम से मिलने वाली सुविधाएँ ।

उत्तर: (i) कलह और कुढ़न से मुक्त वातावरण ।

(ii) अपने जीवन का सदुपयोग पवित्र सेवा में कर सकें ।

अथवा

बेखटके अपने खर्च से रह सकेंगी ।

(3) निम्नलिखित शब्दों का तालिका में दी गई सूचना के अनुसार वर्गीकरण कीजिए । (2)

शब्द

सादगी, पढ़ाई
परेशानी, उपयोगी

तालिका

कृदंत शब्द	तद्धित शब्द
पढ़ाई	सादगी
	परेशानी
	उपयोगी

(4) वर्तमान समाज में आश्रमों की बढ़ती हुई संख्या के बारे में 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए । (2)

उत्तर: प्राचीन काल में आश्रम ऋषि मुनियों का स्थान था । जहाँ कर्म कांड, हवन, पूजा, तप आदि किया जाता था । शिष्य शिक्षा प्राप्त करने गुरु के आश्रम आकर अर्जित करते

थे लेकिन वर्तमान काल में बूढ़े, असहाय लोगों के रहने का स्थान है । अनाथ बच्चों का घर है । आज के आश्रम धनियों के आर्थिक सहायता से चलते हैं । युवा अपने भविष्य और स्वार्थ में अंधे होकर वृद्धों को आश्रमों में रखकर अपना फ़र्ज़ पूरा करने की संतुष्टी पाते हैं । वर्तमान काल में वृद्धों की ज़िम्मेदारी युवा उठाना नहीं चाहते और इसीलिए वृद्धाश्रमों की संख्या बढ़ रही है । पिछले 50 वर्षो में जहाँ भारत की जनसंख्या तीन गुनी हो गई वहाँ बुज़ुर्गो की संख्या चार गुना से अधिक बढ़ी है । यदि हम वृद्धों को आश्रम में भेज रहे तो हमें सोच लेना चाहिए कि अगला पड़ाव हमारा है ।

(इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। [4]

(1) तालिका पूर्ण कीजिए। (2)

गद्यांश में वर्णित
स्वामी विवेकानंद के कार्य

(1) सेवा – व्रती संन्यासियों की मंडली बनाई ।
(2) जगह – जगह सेवाश्रम खोलें ।
(3) वेदांत के प्रचार के लिए विद्यालय खोलें ।
(4) कई अनाथालय खोलें ।

(2) 'सेवाभाव का महत्त्व' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। (2)

उत्तर: मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है । जिस समाज में वह रहता है, उसके प्रति उसका कर्तव्य उसे निभाना होता है, समाज की मदद करनी चाहिए । उसे अपने स्वार्थ का त्याग करके, समाज के हीत के लिए काम करने चाहिए । सेवा वस्तुत: नि:स्वार्थ भाव से करनी चाहिए । फिर वह चाहे अपने माता–पिता की हो या समाज के दिन–दुखियों की । सेवा भाव मनुष्य को महान बना देता है । जिससे उसके परिवार और समाज का भला होता है । सेवा, प्रेम एवं भक्ति की तल्लीनता का एक अंग है । सेवाभाव से समाज के अंदर फैली कुरीतियाँ समाप्त होकर अमन, चैन, शांति के साथ–साथ समाज का विकास हो जाता है और व्यक्ति को अलौकिक सुख, आनंद की प्राप्ति कराता है ।

विभाग 2 – पद्य : 12 अंक

प्र.2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। **[6]**

(1) निम्नलिखित विधान सही हैं अथवा गलत हैं, लिखिए। **(2)**

(i) मीराबाई के प्रभु उसके पालनहार हैं । सही

(ii) मीराबाई अपने आप को प्रभु की दासी नहीं कहती । गलत

(iii) संसार रूपी सागर विकारों से भरा है । सही

(iv) संत मीराबाई अपने प्रभु की राह देख रही है । सही

(2) पद्यांश से ढूँढ़कर लिखिए। **(2)**

विलोम शब्द जोड़ी	समानार्थी शब्द जोड़ी
आदी X अंत	चेरी = दासी

(3) उपर्युक्त पद्यांश की प्रथम चार पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए। **(2)**

उत्तर: उपर्युक्त पदों में संत मीराबाई ईश्वर का उसके जीवन में महत्त्व बता रही है । वे कहती है, ईश्वर के बिना मेरी मुक्ति कैसी होगी? आप मेरे पालनहार हो और मैं आपकी तुच्छ दासी हूँ । मेरे जीवन का आदि और अंत आप ही हो । मेरे हृदय में केवल आपका ही नाम है । हे प्रभु बार–बार मैं आपकों पुकार रही हूँ, आपकी आरती उतार रही हूँ । इस संसार रूपी भवसागर में मेरी जीवन नैया बीच मँझधार में फँसी है ।

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। **[6]**

(1) एक/दो शब्दों में उत्तर लिखिए। **(2)**

(i) अपनी गंध न बेचने वाला – फूल

(ii) फूल को अरुणाई देने वाली – कोंपल

(iii) फूल को गोद में खिलाने वाली – डाली

(iv) चौकी देकर फूल की जान बचाने वाले – काँटे

(2) (i) निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचानकर लिखिए। **(1)**

शब्द	लिंग

सौगंध	स्त्रीलिंग
फागुन	पुल्लिंग

(ii) निम्नलिखित शब्दों के वचन परिवर्तन करके लिखिए। **(1)**

पंखुरियाँ	पंखुरी
रिश्तें	रिश्ता

(3) उपर्युक्त पद्यांश की क्रमश: किन्हीं चार पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए। **(2)**

उत्तर: फूल के स्वभाव की विशेषता बताते हुए कवि कहते हैं, कि चाहे सारे फूल बिक जाएँ, सारा उपवन भी बिक जाएँ, या सौं फागुन के मौसम भी बित जाएँ पर फूल अपनी गंध नहीं बेचेगा । जिस डाली की गोद में उसने जन्म लिया, कोमल नए पत्तो में रहकर उसे लालिमा प्राप्त हुई । लक्ष्मण ने जिस प्रकार माता सीता की रक्षा के लिए लक्ष्मण रेखा खींची उसी तरह काँटों ने भी फूल की रक्षा की है ।

विभाग 3 – पूरक पठन : 8 अंक

प्र.3. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। **[4]**

(1) उत्तर लिखिए। **(2)**

(i)

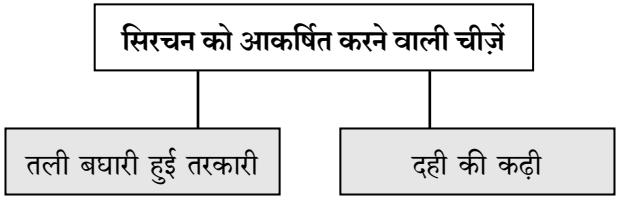

(ii)

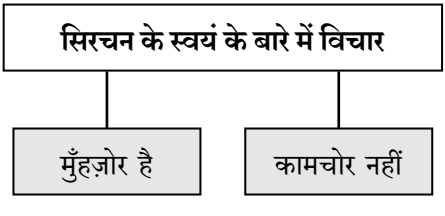

(2) 'कार्य में तन्मयता लाती है सफलता' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार

लिखिए। **(2)**

उत्तर: कार्य में सफलता पाने के लिए तन्मयता के साथ–साथ ईमानदारी, मेहनत भी आवश्यक होती है । मनुष्य को सफलता तब मिलती है जब अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए पूरी लगन के साथ कड़ी मेहनत करता है । तन्मयता और लगन से वह कोई भी काम करता है तो उसमें कमियाँ नहीं रहती । साथ जो अनुभव मिलता है वह उसे दूसरे कार्य करते समय भी काम आता है और आत्मविश्वास भी बढ़ता है । किसी कार्य को लगनपूर्वक, भावनापूर्वक करने से उसके कर्म की उत्कट भावना उस मनुष्य के उत्कृष्ट एवं विशाल हृदय को प्रकट करता है । और मनुष्य को जीवन का सच्चा सुख मिलता है ।

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। **[4]**

(1) उपर्युक्त पद्यांश से वीरत्व दर्शाने वाली दो पंक्तियाँ ढूँढ़कर लिखिए। **(2)**

उत्तर: (i) शेरों के जबड़े खुलवाकर, थे जहाँ भरत दतुली गिनते,

(ii) जयमल–पत्ता अपने आगे, थे नहीं किसी को कुछ गिनते!

(2) 'शेखी बघारना बुरी आदत है' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। **(2)**

उत्तर: शेखी बघारना बुरी आदत है...

शेखी बघारने वाले इंसान प्रशंसा के भूखे होते हैं, जो सदैव अपनी बढ़ाई करने के लिए तैयार रहते हैं, जिसका लाभ चापलूसों को शत–प्रतिशत होता है । जो मनुष्य स्वयं कुछ नहीं कर सकता है केवल अपने दोस्तों के सामने अपनी बहादुरी और धन–दौलत की शेखी बघारता है, वह कायर और डरपोक होता है । इस आदत के कारण मनुष्य अपनो के बिच और समाज में खुद का मान–सम्मान, विश्वास खो बैठता है । इसलिए इसप्रकार की आदत से दूर रह कर अपने बलबुते पर मेहनत से आगे बढ़ना चाहिए । लोग ऐसे कर्म निष्ठ मेहनती लोगों की मिसाल देते हैं ।

विभाग 4 – भाषा अध्ययन (व्याकरण) : 14 अंक

प्र.4. सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। [14]

(1) निम्नलिखित वाक्य में से अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद पहचानकर लिखिए। (1)

उन्होंने टूटी अलमारी खोली ।

उत्तर: टूटी – विकारी शब्द, विशेषण

(2) निम्नलिखित अव्ययों में से किसी एक अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए। (1)

(i) प्राय: – पिताजी प्राय: सुबह टहलने जाते हैं ।

(ii) अरे!: – अरे! राम बड़ों से इस तरह बातें नहीं की जाती ।

(3) कृति पूर्ण कीजिए। (1)

संधि शब्द	संधि–विच्छेद	संधि भेद
निस्संदेह	नि: + संदेह **अथवा**	विसर्ग संधि
भानूदय	भानु + उदय	स्वर संधि/दीर्घ

(4) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य की सहायक क्रिया पहचानकर उसका मूल रूप लिखिए। (1)

(i) मैं गोवा को पूरी तरह नहीं समझ पाया।

(ii) काकी घटनास्थल पर आ पहुँची।

सहायक क्रिया	मूल क्रिया
पाया	पाना
पहुँची	पहुँचना

(5) निम्नलिखित में से किसी एक क्रिया का प्रथम तथा द्‌वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए। (1)

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक रूप	द्‌वितीय प्रेरणार्थक रूप
(i) फैलना	फैलाना	फैलवाना
(ii) भूलना	भुलाना	भुलवाना

(6) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर उचित वाक्य में प्रयोग कीजिए। (1)

मुहावरे	अर्थ	वाक्य
(i) ठेस लगना –	दुखी होना/बुरा अनुभव होना	राम के दुर्व्यवहार से माँ के हृदय को बड़ी ठेस लगी ।
(ii) कलेजे में हूक उठना –	मन मे वेदना उत्पन्न होना	घनघोर वर्षा के कारण खेती में हुए नुकसान को देख किसान के कलेजे में हूक उठी ।

अथवा

अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए कोष्ठक में दिए मुहावरों में से उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए।

(बोलबाला होना, प्रशंसा करना)

आजकल मोबाइल का प्रभाव है ।

उत्तर: आजकल मोबाइल का बोलबाला है ।

(7) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में प्रयुक्त कारक चिह्न पहचानकर उसका भेद लिखिए। (1)

(i) हमारे शहर में एक कवि है ।

(ii) उन्हें पुस्तक ले आने के लिए कहा ।

कारक चिह्न	कारक भेद
में	अधिकरण कारक
के लिए	संप्रदाय

(8) निम्नलिखित वाक्य में यथास्थान उचित विराम–चिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए। (1)

मैंने कराहते हुए पूछा, मैं कहाँ हूँ

उत्तर: मैंने कराहते हुए पूछा – ''मैं कहाँ हूँ?''

(9) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों का सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए। (2)

(i) हमारे शहर में तो दो रुपये में मिलता है। (अपूर्ण वर्तमानकाल)

उत्तर: हमारे शहर में तो दो रुपये में मिल रहा है ।

(ii) मुझे जीवन को सहज और खुले ढंग से जीना है। (पूर्ण भूतकाल)

उत्तर: मैंने जीवन को सहज और खुले ढंग से जी लिया था । **अथवा** जिया था ।

(iii) मानू को ससुराल पहुँचाने मैं ही जाता हूँ। (सामान्य भविष्यकाल)

उत्तर: मानू को ससुराल पहुँचाने मैं ही जाऊँगा ।

(10) (i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद पहचानकर लिखिए । (1)

हमारी सामाजिक विचारधारा में एक बड़ा भारी दोष है । – सरल वाक्य

(ii) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य का अर्थ के आधार पर दी गई सूचनानुसार परिवर्तन कीजिए। (1)

(1) कितनी निर्दयी हूँ मैं। (विस्मयार्थक वाक्य)

उत्तर: अरे! कितनी निर्दयी हूँ मैं ।

(2) सैकड़ो मनुष्यों ने भोजन किया। (प्रश्नार्थक वाक्य)

उत्तर: क्या सैकड़ो मनुष्यों ने भोजन किया?

(11) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके फिर से लिखिए। (2)

(i) रंगीन फूल की माला बहोत सुंदर लग रही थी।

उत्तर: रंगीन फूलों की माला बहुत सुंदर लग रही थी ।

(ii) लड़के के तरफ़ मुखातिब होकर रामस्वरूप ने कोई कहना चाहा।

उत्तर: लड़के की तरफ़ मुखातिब होकर रामस्वरूप ने कुछ कहना चाहा ।

(iii) कन्हैयालाल मिश्र जी बिड़ला के पुस्तक पड़ने लगे।

उत्तर: कन्हैयालाल मिश्र जी बिड़ला की पुस्तक पढ़ने लगे ।

विभाग 5 – रचना विभाग (उपयोजित लेखन) : 26 अंक

प्र.5. सूचनाओं के अनुसार लेखन कीजिए। **[26]**

(अ) (1) पत्र–लेखन। [5]

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्र–लेखन कीजिए।

दिनांक: 12 दिसंबर, 2020

परमपूज्य दादाजी,

सादर चरणस्पर्श ।

बहुत–बहुत बधाई हो । 75 वर्ष जीवन के बड़े ही सादगी, सम्मान, प्रेम एवं अच्छे स्वास्थ्य से आपने बिताए । मुझे बहुत–सी बातें आपसे सीखनी हैं । आप मेरे जीवन का आदर्श हो ।

आपको आपके इस 75वें जन्मदिन पर मैंने और दीदीजी ने 75 तोहफ़े जो आपके पसंद के चुन–चुनकर भेजे है । कृपया आप इसका स्वीकार करें । आप जानते हैं कि हम सभी आपके साथ यह 'स्वर्ण दिन' मनाना चाहते हैं, लेकिन इस वर्ष Covid-19 इस वैश्विक महामारी और सरकार के निर्बधों के कारण यह संभव नहीं हो पाया । कोई बात नहीं, अगले वर्ष ही सही हम सब मिलकर, यह दिवस मनाएँगे । ईश्वर आपको लंबी एवं स्वस्थ आयु दें ।

घर के सभी बड़ों को मेरा प्रणाम कहना ।

आपके पत्र के इंतज़ार में ।

आपकी लाडली पोती,

राजश्री अगरवाल,

20, वरद सोसायटी,

सायन (पूर्व),

मुंबई – 400065 ।

rajashree@gmail.com

अथवा

दिनांक: 20 जून, 2020
सेवा में,
मा. व्यवस्थापक,
विजय पुस्तकालय,
म. गांधी पथ,
राजगुरु नगर – 410505 ।

विषय – सूचीनुसार पुस्तकें प्राप्त न होने के बारे में शिकायत-पत्र ।

माननीय महोदय,

आपका भेजा हुआ पुस्तकों का पार्सल मुझे कल ही प्राप्त हुआ, धन्यवाद ।

मैं आपको सूचित करना चाहती हूँ कि आपने जो पुस्तकें भेजी है, वे सूचीनुसार नहीं हैं । मैंने जो सूची भेजीं थी और आपके द्‌वारा प्राप्त/भेजी पुस्तकें अलग है । इसलिए ये पुस्तकों का पार्सल मैं आज ही पोस्ट पार्सल से लौटा रही हूँ, साथ मेरी पुस्तकों की सूची फिरसे भेज रहीं हूँ, ताँकि आप उस सूची के अनुसार मुझे पुस्तकें भेज सकें ।

आशा है, आप यह पत्र मिलते ही शीघ्र ही ध्यान देंगे और मेरी पुस्तकें भिजवाने की व्यवस्था करेंगे ।

भवदीय,
मयुरा त्रिवेदी,
12, मॉडेल कॉलोनी,
शास्त्री नगर,
नारायण गाँव – 410504 ।
mayura@gmail.com

(2) गद्‌य आकलन–प्रश्ननिर्मिति ।

निम्नलिखित गद्‌यांश पढ़कर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर गद्‌यांश में एक–एक वाक्य में हों । [4]

प्रश्न :

(1) 2009 का साहित्य का नोबेल पुरस्कार किसे मिला?
(2) हर्ता मूलर का जन्म कहाँ हुआ था?
(3) हर्ता मूलर चाची की तरह क्या बनने के बारे में सोच सकती थी?
(4) लोगों में किनका भय बना रहता था?

(आ) (1) वृत्तांत–लेखन । **[5]**

प्रगति विद्यालय, वर्धा में मनाए गए 'बालिका दिवस' समारोह का 60 से 80 शब्दों में वृत्तांत–लेखन कीजिए । (वृत्तांत में स्थल, काल, घटना का उल्लेख होना अनिवार्य है ।)

बालिका दिवस

उत्तर: वर्धा, 24 जनवरी, 2020 को प्रगति विद्यालय में प्रात: 10 बजे प्राचार्य महोदया की अध्यक्षता में 'बालिका दिवस' धूमधाम से मनाया गया । इस अवसर पर प्रमुख अतिथि के रूप में महाराष्ट्र के मान्यवर नेता श्री पवारजी पधारे थे । सर्व प्रथम नारी शक्ति के रूप में देश की महिला प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधीजी की प्रतिमा को मालार्पण किया गया । विद्यालय की कन्याओं ने इशस्तवन एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया ।

इस अवसर पर 7 वीं कक्षा की छात्राओं ने नृत्य–नाटिका द्वारा आज की नारी शक्ति की प्रस्तुति की । नाटक, एकांकी, समुह गीत जैसे वैविध्यपूर्ण कार्यक्रमों से माहौल खुशनुमा बन गया । विद्यालय के विविध प्रतियोगिताओं में असाधारण उपलब्धिओं पर छात्राओं को पुरस्कार दिए गए । प्रमुख अतिथि ने सभी छात्राओं की बहुत प्रशंसा की और बालिकाओं को अपने अधिकार एवं कर्तव्य के प्रति सजग कराया । विद्यालय के पर्यवेक्षकजी ने धन्यवाद प्रस्तुत किया और राष्ट्रगान के साथ बालिका दिवस जोश, उल्हास और उमंग के साथ संपन्न हुआ ।

अथवा

कहानी–लेखन ।

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 70 से 80 शब्दों में कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए तथा सीख लिखिए ।

स्वच्छता का महत्त्व

उत्तर: रामपुर नाम के गाँव में रमेश के नानाजी रहते थे । हर छुट्टियों में वह नानाजी के यहाँ जाता था । इस बार भी वह दसवीं की परीक्षा देकर आया था । उसने देखा की गाँव में चारों तरफ़ अस्वच्छता फैली है । उसे कोई भी साफ़ नहीं करना चाहता है । हर कोई कह रहा था यह सरकार का काम है ।

अस्वच्छता के कारण गाँव में लोग बीमार होने लगे । चारों तरफ़ बदबू फैलने लगी । आखिर रमेश ने सोचा कुछ न कुछ करके इस अस्वच्छता को नष्ट करना होगा । उसने गाँव के सारे युवाओं को एकत्रित किया । उनको स्वच्छता का फायदा और महत्त्व समझाया । उन्हें रमेश की बातें ठीक लगी । उन्होंने रमेश का साथ दिया । रमेश ने युवा दल बनवाया और सारे गाँव का कूड़ा–कचरा एकत्रित किया । इस योजना पर गाँववाले मज़ाक उड़ाने लगे । लेकिन रमेश ने एक योजना बनाई । उसने उस कूड़े को एकत्रित करके खाद बनवाया ।

वहीं खाद उसने गाँव के किसानों को देकर खेती में इस्तेमाल करने के लिए कहा । कुछ लोगों ने अपने घर के आस–पास पेड़–पौधे लगाए । उस खाद के कारण फ़सल अच्छी–सी लहलहाने लगी । पेड़–पौधों के कारण गाँव में हरियाली छा गई । रमेश की इस योजना के कारण गाँव का रूप बदल गया । अब गाँव स्वच्छ और साफ़–सुधरा तो बन गया । लोग अब कूड़ा–कचरा भी कूड़ा–दान में ड़ालने लगे । आस–पास के गाँवों से रमेश का गाँव सबसे ज़्यादा साफ़ और स्वच्छ बन गया । उस गाँव को स्वच्छता मोहिम के लिए पुरस्कार प्राप्त हुआ । यह सब रमेश के कारण हुआ । सबने रमेश की प्रशंसा की और उसे धन्यवाद दिया । नानाजी को अपने पोते पर गर्व महसूस हुआ ।

सीख – हमेशा नए विचार, नई सोच रखनी चाहिए ।

(2) विज्ञापन–लेखन । **[5]**

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर 50 से 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए ।

उत्तर:

खुश खबर! खुश खबर!! खुश खबर!!!

क्रीडा शिबिर

आपके शहर में पहली बार आयोजित

क्रिकेट, टेबलटेनीस, तिरंदाज़ी एवं बॅडमिंटन
खेल का तज्ञ मार्गदर्शकों द्‌वारा प्रशिक्षण

* आयु : 8 से उपर वर्ष के सभी बालक–बालिकाओं के लिए
* शुल्क : 600 रुपये प्रतिमाह/सप्ताह में तीन दिन
* समय : सुबह से दोपहर 12 और शाम 4 से 6 बजे तक
* स्थान : सी. पी. एम. पी. सागर विद्‌यालय क्रीडांगण, गोरेगांव (पू), मुंबई

(इ) निबंध–लेखन । **[7]**

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80 से 100 शब्दों में निबंध लिखिए ।

(1) मैं पृथ्वी बोल रही हूँ...

(2) काश! बचपन लौट आता...

(3) अनुशासन का महत्त्व

(1) मैं पृथ्वी बोल रही हूँ...

उत्तर: 'बाईस अप्रैल' यह दिन हम सभी वसुंधरा दिन के रूप में मना रहे थे । तभी अचानक मुझे और उपस्थित सभी को आवाज़ सुनाई दी । ''तुम मेरा दिन मना रहे हो लेकिन मेरी दुर्दशा भी तुम्हीं लोगों ने की हैं । आज मैं तुम्हें अपने बारे में बताना चाहूँगी । सभी मेरा दुख सुनो । जी हाँ, मैं पृथ्वी बोल रही हूँ ।''

''सभी मनुष्यजाती का मैं आधार हूँ । आकाश और मनुष्य के बीच का मैं दुवा हूँ । इंसान अपने बुद्धि की ताकत पर मेरे पर्यावरण को नष्ट करनें में लगा है । वह भूल चुका है, जिस टहनी पर वह बैठा है, उसी टहनी को काट रहा है ।''

''मैं बहुत ही दुखी हूँ । मनुष्य ने सिमेंट की जंगलें बनाना शुरू किया तभी हरियाली नष्ट करने लगा । इस पृथ्वी पर जितने भी पेड़–पौधे थे उनकी कटाई शुरू की । जंगल नष्ट होने से जानवर भी कम होते गए और जो बचे थे वह अपना मुकाम ढूँढ़ते हुए इंसानों की बस्ती में आने लगे ।''

''मेरी भूमी हमेशा ही सुजलाम थी । इसपर भारी मात्रा में पानी मिलता था । लेकिन पानी का भारी मात्रा में और अयोग्य इस्तेमाल होने से पानी की कमी होने लगी । उसी में तुम लोगों ने पेड़ों को काटकर बारिश पर रोक लगा दी । अब ना नदी में पानी है, ना ही सागर में । अब तुम सबके बुरें हाल होंगे ।''

(2) काश! बचपन लौट आता...

उत्तर: जो समय बीत गया, वह कभी वापस नहीं लौटता । फिर भला बीता हुआ बचपन कैसे लौट सकता है? फिर भी यदि बचपन के दिन लौट आए, तो सचमुच बड़ा मज़ा आ जाएँगा ।

आज तो मैं दसवीं कक्षा में पढ़ रहा हूँ । पढ़ाई का कितना सारा बोझ मेरे सिर पर आ पड़ा है । यदि बचपन लौट आए तो मेरे सिर पर से पढ़ाई का बोझ हलका हो जाएँगा । न गणित के कठिन प्रश्न हल करने पड़ेंगे, न रेखागणित के प्रमेयों से सिर खपाना पड़ेगा । समाजशास्त्र से भी छुटकारा मिल जाएगा । आए दिन होने वाली परीक्षाओं से मुक्ति मिलेगी । फिर तो मज़े से जिंगल बेल जैसी कविताएँ गाता रहूँगा ।

सबसे प्यारी उम्र बचपन की होती है । यदि बचपन लौट आए, तो खेल–कूद में दोस्तों के साथ मस्त रहूँगा । पेड़ों पर चढ़कर आम तोडूँगा, बहुत सारी मिठाई खा सकूँगा । आज कुछ भी माँगो तो कोई सुनता नहीं । हाँ, अगर बच्चे की तरह रोने लगूँगा तो मेरी इच्छा पूरी हो जाएगी । मनचाहे खिलौने, कपड़े खरीद सकूँगा ।

बचपन फिर से लौटने की कल्पना बहुत अच्छी लगती है, पर ऐसा भाग्य कहा कि बचपन सचमुच लौट आए ।

(3) अनुशासन का महत्त्व

उत्तर: जीवन में प्रत्येक क्षेत्र में सफलता और सिद्धि प्राप्ति के लिए अनुशासन आवश्यक है । अनुशासन का महत्त्व विद्यार्थी जीवन में अधिक होता है । जैसे कक्षा में शांतिपूर्वक बैठना, गुरुजनों का और बड़ों की आज्ञा का पालन करना, विद्यालय के नियमों का पालन और ध्यान से पढ़ाई करना यह अनुशासन के ही रूप है ।

अनुशासन का व्यापक प्रभाव समाज और देश की उन्नति पर पड़ता है । खेद का विषय है कि आज देश में अनुशासनहीनता, अराजकता दिखाई देती है । अनुशासन की कमी का हमारे राष्ट्र के जीवन पर घातक प्रभाव पड़ रहा है । छात्रों में बढ़ रही अनुशासनहीनता में घर, परिवार, विद्यालय सभी ज़िम्मेदार है । अभिभावक विद्यालय, घर, परिवारों पर ऊँगली उठाते हैं । राजनीति छात्रों का शोषण करते हैं, उन्हें भड़काकर अराजकता फैलाते हैं । सभी दोषी है । प्रत्यक्ष रूप से घर पर ही अनुशासन का पाठ पढ़ाना चाहिए । समाज में अनुशासन लाना है और एक स्वस्थ समाज को बनाना है । इसलिए अनुशासन से ही सबको अपना भविष्य बनाना है ।

★★★